सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 169 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 24 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

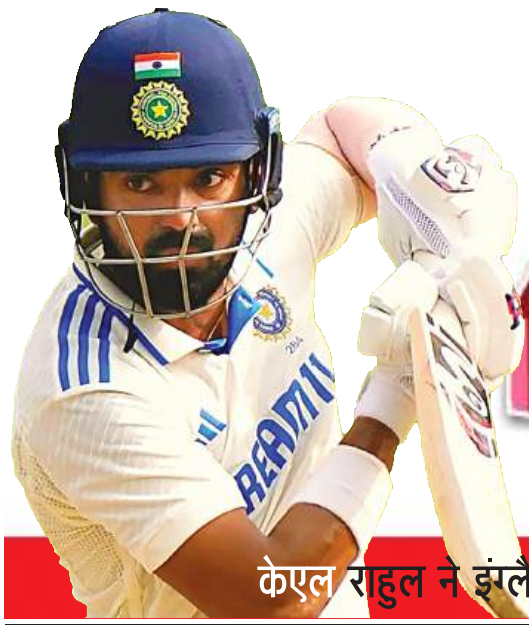

जहाँ जाइये प्यार फैलाइए। जो भी आपके पास आये वह और खुश होकर लौटे।
-मदर टेरेसा

केएल राहुल ने इंग्लैंड में पूरे किए... 7 | यूपी की सियासत में छाएंगे दोस्ती... 3 | बीजेपी नकारात्मक लोगों का समूह... 2

दिल्ली से लेकर बिहार तक एसआईआर पर हंगामा

लोस व रास में विपक्ष का सरकार पर वार

» मानसून सत्र का चौथा दिन भी खाली गया

» राहुल बोले- चुनाव आयोग धांधली कर रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन, गुरुवार को, विपक्षी सांसदों ने बिहार मतदाता सूची संशोधन के मुद्दे पर एकबार फिर जोरदार हंगामा किया। यह हंगामा जहा संसद में हुआ वहीं बिहार विधान सभा में शोरशराबा हुआ। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा और लोकसभा दोनों में कार्यस्थगन और कार्यस्थगन के नोटिस पेश किए। संजय सिंह, रंजीत रंजन, अखिलेश प्रसाद सिंह और अन्य विपक्षी सांसदों ने अपने-अपने सदनों में नोटिस पेश कर बिहार मतदाता सूची संशोधन मुद्दे पर तत्काल चर्चा के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने और तत्काल कार्यस्थगन का आग्रह किया।

वहीं लोकसभा नेता राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर कहा कि उन्होंने भारतीय चुनाव आयोग पर कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। गांधी ने दावा किया कि उनके पास कथित हेराफेरी, जिसमें मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने का काम शामिल है, के 100 प्रतिशत सबूत हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई सबूत पेश नहीं किया है।

हंगामा के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के सात मिनट बाद ही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी गई। विपक्षी सांसदों ने आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी की और तख्तियां लहराईं, जिन पर एसआईआर विरोधी नारे लिखे हुए थे।

सोनिया समेत कई विपक्षी सांसदों ने एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर के प्रदर्शन में भाग लिया

विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए। विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर 'एसआईआर- लोकतंत्र पर वार' लिखा हुआ था। उन्होंने 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने कहा कि इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद गिरिधारी यादव के बयान का हवाला देते हुए कहा कि अब तो सत्तापक्ष के लोग भी एसआईआर पर सवाल उठा रहे हैं, ऐसे में इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। यादव ने एसआईआर की कवायद का विरोध करते हुए कहा कि जो मतदाता सूची लोकसभा चुनाव में सही थी, वो विधानसभा चुनाव में गलत कैसे हो सकती है।

हमारा आंदोलन जारी रहेगा : राजीव शुक्ला

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, हमारा मानना है कि इसके खिलाफ लड़ाई अभी जारी है और यह जारी रहनी चाहिए। हमें लगता है कि चुनाव आयोग सच्चाई को जरूर स्वीकार करेगा और लोगों को वोट देने से वंचित नहीं किया जाएगा। फिलहाल, यह आंदोलन जारी रहेगा।

एसआईआर की आड़ में मतदाता सूची में हेराफेरी की जा रही

विपक्षी दलों ने मानसून सत्र की शुरुआत से ही हर दिन स्थगन प्रस्ताव पेश करते हुए लोकसभा और राज्यसभा में संशोधन प्रक्रिया पर चर्चा की मांग की है और आरोप लगाया है कि एसआईआर की आड़ में मतदाता सूची में हेराफेरी की जा रही है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सांसद महुआ माजी, लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा सहित अन्य नेता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

अब सरकारें मतदाताओं को चुन रही हैं : तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले मतदाता सरकारें चुनते थे, लेकिन अब सरकारें मतदाताओं को चुन रही है। यह चुनाव आयोग के ज़रिए हो रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के कल के प्रेस नोट में कहा गया है कि 52-55 लाख मतदाता (अपने पते पर) अनुपस्थित पाए गए। कुछ आँकड़े मृतक की श्रेणी में दर्ज हैं, कुछ मतदाताओं ने अपना विधानसभा क्षेत्र बदल लिया है। हम पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। बीएलओ खुद ही हस्ताक्षर कर रहे हैं और अपलोड कर रहे हैं। इसलिए, पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई। यह सिर्फ एक उपलब्धि के तौर पर दिखाने और सुप्रीम कोर्ट के सामने आँकड़े पेश करने के लिए है। बस औपचारिकता निभाई जा रही है।

सरकार आग से खेल रही है : मनोज झा

राजद सांसद मनोज झा ने कहा, अगर हमारे चुनाव आयोग का व्यवहार बांग्लादेश चुनाव आयोग जैसा है, तो पार्टियों और नागरिकों के पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। क्या वे एक भी विदेशी मतदाता का नाम बता सकते हैं, और अगर यह सरकार ऐसे इशारों से बिहारियों को बेदखल करने की योजना बना रही है, तो वे आग से खेल रहे हैं।

बाबासाहेब की विरासत पर हमला : टैगोर

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने संशोधन प्रक्रिया पर चर्चा के लिए एक स्थगन प्रस्ताव पेश किया और इसे सामूहिक मताधिकार से वंचित करने की कार्रवाई बताया, जो मोदी सरकार के तहत संचालित संस्थागत मतदाता सफ़ाई से कम नहीं है। टैगोर ने प्रक्रिया को बाबासाहेब बी.आर. अंबेडकर की विरासत पर हमला बताया, जिन्होंने नागरिकों को उनकी जाति, वर्ग या संपत्ति से परे, सशक्त बनाने के लिए मताधिकार को प्रतिष्ठित किया था।

सांसदों के इस तरह के व्यवहार को पूरा देश देख रहा है : बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, "आपसे पहले भी कहा गया है कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है। इसमें जनता के महत्वपूर्ण सवाल होते हैं और सरकार की जवाबदेही होती है, कई सांसदों ने कहा कि उनका प्रश्नकाल के दौरान मुश्किल से प्रश्न आता है और आप लोग नारेबाजी करते हैं। बिरला ने कांग्रेस का नाम लिए बगैर कहा कि इतने पुरानी राजनीतिक दल के लोग इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, उसे पूरा देश देख रहा है।

सरकार चर्चा करेगी या नहीं : गौरव

बिहार में एसआईआर पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, हम पिछले 3 दिनों से मांग कर रहे है कि एसआईआर पर चर्चा हो, लेकिन अभी तक भाजपा के मंत्री की ओर से एक भी जवाब नहीं आया है। हम उनसे बस यह पूछना चाहते है कि एसआईआर पर चर्चा होगी या नहीं। हां या नहीं, एक बार उनका जवाब आ जाए।

बीजेपी नकारात्मक लोगों का समूह है: अखिलेश

» डिप्टी सीएम के बयान पर सपा प्रमुख का तीखा पलटवार

» बोले- केशव मौर्य टोपी भिजवा दें, मैं पहन लूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मस्जिद में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और अन्य सांसदों के जाने पर उत्तर प्रदेश में भी सियासी बवाल मचा हुआ है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था कि अखिलेश को टोपी पहन कर जाना चाहिए था। केशव के इस बयान पर कन्नौज सांसद व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है।

सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा कि अगर उनके पास हो तो वह भेज दें, मैं पहन लूंगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नकारात्मक लोगों का समूह है। बीजेपी को आस्था पसंद नहीं है, धार्मिक स्थान नकारात्मकता नहीं लाता है, हम लोगों जोड़ने की राजनीति करते है। बीजेपी मिली जुली संस्कृति का विरोध करती है। अखिलेश ने कहा कि हमारे सांसद हैं, इमाम हैं, उस समय सदन की कार्यवाही नहीं चल रही थी तो हम मिलने गए थे। आस्था के स्थान को राजनीतिक स्थान नहीं बनाना चाहिए न हम बनाते हैं, न उन्हें बनाना चाहिए। सपा चीफ ने कहा कि बीजेपी बुरे और नकारात्मक लोगों का गैंग है इसलिए उन्हें अच्छी चीज में भी बुराई दिखाई देती है। मस्जिद में अखिलेश के जाने पर बीजेपी दावा किया कि वहां सपा राजनीतिक बैठक कर रही थी, इस आरोप पर सपा चीफ ने कहा कि और ये लोग क्या करते हैं? ये लोग भी कुछ कुछ करते हैं।

18000 वोट बीजेपी ने यूपी में डिलीट करवाये

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में एसआई पर भी अखिलेश ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जिंदा लोगों को मारा है। बीजेपी ने 18000 वोट यूपी में डिलीट किया था।सपा सांसदने कहा करि यूपी उपचुनाव में वोट की लूट हुयी थी। उन्होंने दावा किया कि जो बिहार में चुनाव आयोग कर रहा है। वह यूपी में भी होगा बंगाल में भी होगा।

बीजेपी सिर्फ राजनीति करती है : मोहिबुल्लाह नदवी

रामपुर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने बीजेपी पर बेकार की बातों पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। सपा सांसद ने कहा कि बीजेपी धर्म की राजनीति करती है। सपा चीफ और अन्य साथी सांसदों के मस्जिद में जाने के वाकये के बारे में बताते हुए नदवी ने कहा कि संसद की कार्यवाही नहीं चल रही थी तो मैंने ही अखिलेश यादव से कहा कि वह थोड़ी देर चल कर साथ बैठ लें। वहां कोई बैठक नहीं हुई। नदवी ने कहा कि अखिलेश सिर्फ मस्जिद के दौरे पर गए थे। वहां कोई राजनीतिक मकसद नहीं था। इस दौरान हमने उनको बताया कि कितने पूर्व राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और स्वतंत्रता सेनानी यहां आ चुके हैं। धर्म जोड़ने का काम करता है।

सांसद ने कहा कि वहां कोई राजनीतिक बातचीत नहीं हुई. कोई धर्म जोड़ने का काम करता है लेकिन भारतीय जनता पार्टी हमेशा नकारात्मक बात करती है। उन्हें हर चीज में राजनीति सूझती है। बीजेपी को शर्म आनी चाहिए कि वो लोग सवाल उठा रहे हैं जो रातों रात मस्जिदों और मंदिरों को तोड़ दिया। सांसद ने बताया कि दोपहर बाद हम लोग वहां गए थे।

हम जहां जाते हैं बीजेपी वहां जीतती है: डॉ. संजय निषाद

» सपा सांसद डिंपल यादव पर बीजेपी नेता की टिप्पणी पर भड़के कैबिनेट मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के नेता डॉक्टर संजय निषाद वाराणसी पहुंचे थे और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने जहां एक तरफ बिहार चुनाव और उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद से जब बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम निषादों के हित के लिए पूरे देश में है, क्योंकि हम उनकी आवाज हैं। हम जहां-जहां जाते हैं बीजेपी की वहां जीत होती है। वहीं उत्तर प्रदेश विधानसभा 2027 चुनाव को लेकर डॉ. संजय निषाद ने स्पष्ट करते हुए कहा कि 2027 में बीजेपी के साथ चुनाव लड़ेंगे क्योंकि मोदी है तो मुमकिन है और प्रधानमंत्री सभी वर्ग समाज के हित की बात करते हैं। कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने कांवड़ यात्रियों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रही बयान बाजी पर कहा कि हमारी सरकार सबको सम्मान सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। दो-चार सिरफिरों की वजह से आप किसी की आस्था पर नहीं चोट कर सकते। जबकि दूसरे वर्ग में तो अनेक लोग निकल रहे हैं जिन्होंने धर्मांतरण कराया है।

हम सभी को मर्यादा में रहना चाहिए

वहीं बीजेपी नेता द्वारा सपा सांसद डिंपल यादव पर की गई टिप्पणी को लेकर नसीहत देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में कहीं भी अमर्यादा को जगह नहीं है। हम लोग मर्यादा पुरुषोम भगवान श्री राम को मानने वाले हैं, हम सभी को मर्यादा में रहने की सलाह देते हैं।

एसआईआर प्रक्रिया एक महीने में कैसे पूरा करेगा चुनाव आयोग: इमरान मसूद

» कांग्रेस सांसद ने जताई गहरी आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जदयू सांसद की बात को सही बताते हुए कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा कौन-सा तरीका या फॉर्मूला है जिससे आयोग इतनी बड़ी प्रक्रिया को सिर्फ एक महीने में पूरा कर पा रहा है। उन्होंने इसे संदेहास्पद करार देते हुए कहा कि लगता है कि यह सब आदिवासी, दलित, पिछड़े वर्ग और मुस्लिमों के मतदाता सूची से नाम हटाने की सोची-समझी साजिश है।

इमरान मसूद ने कहा कि कुछ ताकतें इस देश को उस दिशा में ले जाना चाहती हैं, जहां 10त्न लोग शासक हों और 90त्न लोग गुलाम बना दिए जाएं। लेकिन हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए अंतिम दम तक लड़ेंगे। बता दें बुधवार को संसद के दोनों सदनों में भी बिहार में चल रहे एसआईआर अभियान को लेकर विपक्ष ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। सत्र शुरू होते ही विपक्षी सांसदों के शोरगुल के कारण राज्यसभा की कार्यवाही मात्र एक मिनट में स्थगित कर दी गई, जबकि लोकसभा कुछ मिनटों तक चली, लेकिन वहां भी विपक्षी नारेबाजी जारी रही। संसद भवन के बाहर भी विपक्षी दलों ने स्क्रूक्र प्रक्रिया के विरोध में प्रदर्शन किया।

जदयू सांसद गिरधारी यादव का मतदाता सूची पुनरीक्षण पर कड़ा हमला

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासत तेज हो गई है। जदयू सांसद गिरधारी यादव ने इस प्रक्रि या पर तीखा हमला बोलते हुए चुनाव आयोग की मंशा और तैयारी पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग को न तो बिहार का इतिहास पता है और न ही भौगोलिक परिस्थितियों की जानकारी। गिरधारी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग को कोई व्यावहारिक ज्ञान नहीं है। यह लोग बिहार का इतिहास और भूगोल नहीं जानते। मुझे खुद जरूरी दस्तावेज जुटाने में 10 दिन लग गए। मेरा बेटा अमेरिका में रहता है, वह दस्तखत कैसे भेजेगा? एक महीने में सब कैसे होगा? सांसद गिरधारी यादव ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया आम लोगों की जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर थोप दी गई है। उनका कहना है कि ऐसे गंभीर कार्य के लिए कम से कम छह महीने का समय दिया जाना चाहिए था। गिरधारी यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है, चाहे उनकी पार्टी कुछ भी कहे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर मैं सच नहीं बोल सकता, तो फिर मैं सांसद यों बना? यह सच्चाई है और इसे छिपाया नहीं जा सकता। चुनाव आयोग की यह जल्दबाजी लोकतंत्र के लिए घातक है।

अस्पताल में रहते हुए भी ड्यूटी जारी: स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घोषणा की कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद वह अपने सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट किया कि मैं अस्पताल में रहते हुए भी सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहा हूँ। उन्होंने बताया कि स्टालिन विद यू परियोजना के तहत शिविरों की स्थापना, जिसका उद्देश्य जन शिकायतों का समाधान करना और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाना है, योजना के अनुसार चल रही है।

उधर चिकित्सकों ने कहा कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। स्टालिन ने कहा कि स्टालिन विद यू शिविर योजना के अनुसार चल रहे हैं, कल तक कितनी याचिकाएँ प्राप्त हुईं, कितनों का समाधान किया गया - मैंने मुख्य सचिव को ये विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की याचिकाओं के समाधान में कोई देरी न हो। इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के स्वास्थ्य पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बताया कि मुख्यमंत्री ठीक हैं और डॉक्टर जल्द ही चिकित्सा संबंधी जानकारी देंगे।

यूपी की सियासत में छाएंगे दोस्ती के रंग

सीएम योगी और बृजभूषण की मुलाकत के बाद गरमाई राजनीति

» वोट जरूरी: संन्यासी की भी पूछी आएगी जाति

» मुलाकातो के बाद चर्चाओं का दौर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की राजनीति समय-समय पर नए-नए रंग दिखाती रहती है। जहां सत्ता में बैठी भाजपा हिंदुत्व के सहारे अपना दमखम राज्य की सत्ता में बनाए रखना चाहती है वहीं मुख्य विपक्षी पार्टी सपा पीडीए फार्मूला के सहारे सत्ता पाने की कोशिश करने में लगी है। राज्य विधान सभा चुनाव अभी 27 में होने हैं पर 2025 में ही गोट बिछने लगी है।

यूपी व बिहार दो ऐसे राज्य हैं जहां जाति की राजनीति न हो ऐसा हो नहीं सकता है। जहां अखिलेश यादव, यादव जाति के वोट को अपने पाले में करने के लिए हर संभव प्रयास में जुटे रहते हैं। वंही सीएम योगी कहने को तो संन्यासी हैं पर जाति से वो एक क्षत्रिय हैं। ऐसे में राज्य के ठाकुर या क्षत्रिय उनसे अपने को जोड़ने को बेताब रहते हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में रिश्तों के उतार-चढ़ाव का लंबा इतिहास रहा है, लेकिन जब बात दो बड़े और प्रभावशाली नेताओं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गोंडा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की हो, तो यह केवल व्यक्ति-विशेष की नहीं, बल्कि सत्ता के समीकरणों की कहानी बन जाती है। कभी गहरे दोस्त माने जाने वाले ये दोनों नेता बीते कुछ वर्षों में खामोश टकराव और आपसी दूरियों के प्रतीक बन चुके थे। लेकिन हालिया मुलाकात और गर्मजोशी ने इस रिश्ते में एक नया मोड़ ला दिया है, जोकि इस समय सुर्खियों में है।

2000 के दशक में योगी-बृजभूषण शरण में थी नजदीकी

हम आपको याद दिला दें कि 2000 के दशक की शुरुआत में जब योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से नई पीढ़ी के तेजतर्रार नेता के रूप में उभर रहे थे और बृजभूषण शरण सिंह अयोध्या व गोंडा क्षेत्र के ताकतवर ठाकुर नेता बन चुके थे, तब इन दोनों के बीच मजबूत संबंध थे। इनका जातीय समीकरण, हिंदुत्व की समान विचारधारा और पूर्वांचल पर नियंत्रण की महत्वाकांक्षा, इन सबने इन्हें एक स्वाभाविक राजनीतिक जोड़ी बना दिया था। योगी के लिए बृजभूषण जैसे पुराने राजनीतिक मैदानी नेता का समर्थन ज़रूरी था, तो वहीं बृजभूषण के लिए योगी की धार्मिक छवि एक शक्ति थी। हम आपको बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह भारतीय राजनीति के उस चेहरे का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो अपने इलाके में निर्विवाद दबदबे के लिए जाने जाते हैं। छह बार के सांसद और एक प्रभावशाली ठाकुर नेता के रूप में उन्होंने पूर्वांचल में एक खास राजनीतिक क्षेत्र गढ़ा है। उनका असर गोंडा, बलरामपुर, बहराइच और अयोध्या तक फैला है।

दोनों के साथ आने पर पूर्वांचल में ठाकुर वोट बैंक पर असर

इसके अलावा, दोनों नेता ठाकुर समुदाय से आते हैं, यदि यह दोनों साथ चलते हैं तो पूरे पूर्वांचल में इस वोट बैंक पर मजबूत पकड़ बना सकते हैं। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भले दूर हो, लेकिन भाजपा में अभी से ही आंतरिक समीकरण बनने शुरू हो गए हैं। ऐसे में योगी और बृजभूषण की दोस्ती भविष्य के भीतरू संघर्षों को टालने का माध्यम भी हो सकती है। देखा जाये तो योगी आदित्यनाथ और बृजभूषण शरण सिंह की यह दोस्ती भाजपा के अंदर शक्ति-संतुलन, क्षेत्रीय सशक्तिकरण और जातीय समीकरणों को साधने की कवायद भी है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह दोस्ती सिर्फ दो नेताओं की नहीं, बल्कि दो राजनीतिक संस्कृतियों— संगठित सत्ता और स्थानीय ताकत के बीच नए गठबंधन की शुरुआत है।

2022 के बाद यह दोस्ती धीरे-धीरे दरकती नजर आई

लेकिन 2022 के बाद यह दोस्ती धीरे-धीरे दरकती नज़र आई। इसके पीछे कई कारण माने गए। जैसे- योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्यमंत्री एक केंद्रीकृत सत्ता मॉडल बना रहे थे, जिसमें स्वतंत्र क्षेत्रीय क्षत्रपों की भूमिका सीमित होती जा रही थी। बृजभूषण जैसे नेता, जो वर्षों से अपने इलाके में स्वतंत्र सत्ता केंद्र बने हुए थे, इस बदलाव से असहज थे। इसके अलावा, योगी सरकार की शैली कई पुराने नेताओं के लिए चुनौती बन गई। बृजभूषण समर्थकों का आरोप था कि प्रशासन उन्हें और उनके समर्थकों को निशाना बना रहा है। वहीं योगी के खेमे को लगता था कि बृजभूषण पार्टी अनुशासन से बाहर जाकर काम करते हैं।

मुख्यमंत्री ने हमें बुलाया हम गए : बृजभूषण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद मंगलवार को नवाबगंज के नंदिनीनगर में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने हमें बुलाया हम गए। वो हमारे शुभचिंतक हैं। यह सत्य है कि 31 महीने मैंने उनसे मुलाकात नहीं की। जब बुलाया तो मैं गया, इस पर किसी को आपत्ति करने की जरूरत नहीं है। बृजभूषण ने कहा कि मुख्यमंत्री से कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। केवल पुरानी बातें हुईं। उनसे पुराने संबंध हैं। हम महसूस कर रहे थे और वह महसूस कर रहे थे। किसी के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। यह एक बिल्कुल व्यक्तिगत मुलाकात थी। जैसे परिवार के दो लोग काफी दिनों बाद मिले हों और अपना-अपना शिकवा अपना-अपना गम बयां कर रहे हों। इसके अलावा कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। पूर्व सांसद ने कहा कि 2023 जनवरी माह से मुख्यमंत्री से मेरी बातचीत बंद हो गई थी। 31 महीने न मैं मुख्यमंत्री से मिला और न ही मिलने का प्रयास किया क्योंकि 2023 जनवरी मेरे लिए एक टर्निंग प्वाइंट था। मेरे ऊपर एक बहुत बड़ा आरोप लगा। उसका मुझे सामना करना पड़ा। उसी दिन मैने निश्चय कर लिया था कि यह लड़ाई मेरी है और मुझे ही लड़नी है।

प्रतीक भूषण की डिप्टी सीएम से मुलाकात

गोंडा विधायक प्रतीक भूषण शरण सिंह ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है, जब पार्टी में संभावित संगठनात्मक बदलाव और उपचुनाव की तैयारी को लेकर आंतरिक समीकरण बदलते दिख रहे हैं। दरअसल, मऊ सदर सीट से विधायक अब्बास अंसारी को एमपी-एमएलए कोर्ट से दो साल की सजा मिली है। इसके बाद इस सीट पर उपचुनाव होना है।

यूपी मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं पुत्र

योगी आदित्यनाथ और बृजभूषण शरण सिंह की मुलाकात के कुछ और भी सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। हाल ही में बृज भूषण के विधायक बेटे की उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से हुई मुलाकात भी सुर्खियों में है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल में होने वाले संभावित फेरबदल में बृज भूषण के बेटे को जगह दी जा सकती है। यह दिखाता है कि भाजपा अपने पुराने और क्षेत्रीय क्षत्रपों को साथ लेकर ही

आगे बढ़ना चाहती है। वहीं योगी आदित्यनाथ, जो अक्सर अपने नैतिक और कठोर प्रशासनिक रुख के लिए जाने जाते हैं, अब सियासी यथार्थवाद के साथ भी संतुलन बनाते दिख रहे हैं।

योगी की कुर्सी सुरक्षित नहीं : पवन खेड़ा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुर्सी सुरक्षित नहीं है। बीजेपी की संगठनात्मक स्थिति पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी अब खुद अपना अध्यक्ष तय नहीं कर पा रही है। उन्होंने आगे कहा, बीजेपी का संगठन नेतृत्वविहीन हो गया है। पार्टी में ऐसा कोई चेहरा नहीं बचा जिसे सर्वसम्मति से अध्यक्ष

बनाया जा सके। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुर्सी भी सुरक्षित नहीं है और पार्टी में उन्हें लेकर अंदरूनी घमासान चल रहा है।

महिला पहलवानों के विवाद के बाद मामले हुए गंभीर

इसके अलावा, महिला पहलवानों द्वारा बृजभूषण पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद भाजपा नेतृत्व के लिए यह सवाल बन गया था कि उन्हें कितना समर्थन दिया जाए। योगी सरकार ने इस मुद्दे पर स्पष्ट दूरी बनाए रखी। लेकिन अब तीन साल की दूरी के बाद योगी और बृजभूषण की हालिया मुलाकात ने राजनीति में

हलचल मचा दी है। यह सिर्फ व्यक्तिगत मेल-मिलाप नहीं, बल्कि एक गहन राजनीतिक संदेश है। दरअसल भाजपा को उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में एक बार फिर एकजुटता दिखाने की आवश्यकता है। सपा, कांग्रेस, और बसपा नए सिरे से यहां आधार तलाश रहे हैं। ऐसे में योगी और बृजभूषण का साथ आना भाजपा के लिए ताकत का प्रदर्शन है। हम आपको यह भी बता दें कि यह मुलाकात संभवत- भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से हुई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

दुनिया में बीमारी बन रहा एकाकी जीवन!

बड़े-बड़े कलाकारों की असमय मृत्यु या उनका लाइमलाइट से अलग हो जाने के बाद डिप्रेशन में आने की खबरें आती रहती हैं। ऐसी ही खबर परवीन बाबी की आई थी वह अकेले ही अपने घर में मृत पाई गईं थीं। अभी हाल में पूर्व मिस इंडिया व एक अभिनेत्री ने अपने ही परिवार व दोस्तों पर अपने साथ अत्याचार करने का आरोप लगाया है। इस तरह के आरोप वह पहले भी लगा चुकीं हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि कभी-कभी कोई सेलिब्रेटी जब चकाचौंध से दूर होता है तो अकेलापन महसूस करने लगता है और इस तरह से वह मानसिक रूप से बीमार हो जाता है। ऐसे लोगों को सहारे की जरूरत है। हर छठा व्यक्ति अकेला है। यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है।

दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौर और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास सुनने का समय नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके।

“ निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नदी-तालाबों को राह देने से राहत की उम्मीद

पंकज चतुर्वेदी

बीती 10 जुलाई को करीब डेढ़ घंटे बरसात हुई और देश में साइबर सिटी और बड़े औद्योगिक घरानों के लिए मशहूर गुरुग्राम में कई-कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सात लोग भी मारे गए। आश्चर्य है कि यह महानगर सालभर जल संकट से जूझता है, लेकिन बारिश होते ही दरिया बन जाता है। जहां सबसे महंगी जमीन है, वहीं सबसे ज्यादा जलभराव होता है। आठ घंटे के जाम से गुरुग्राम को अनुमानत: सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान होता है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का इस शहर पर भरोसा भी डगमगाने लगा है। नाले-सीवर साफ न होना जैसे कारण तो अमूमन देश के हर शहर को बरसात में लज्जित करते हैं, लेकिन गुरुग्राम के डूबने का असल कारण अलग है - नदी-तालाबों को गुम कर वहां कंक्रीट का जंगल खड़ा करना। अरावली की गोद में बसे इस शहर के पास नैसर्गिक रूप से इतनी जल निधियां थीं कि चाहे जितना पानी गिरे, उनमें ही भर जाये।

सारे साल हर घर को पानीदार बना कर रखने की क्षमता थी। जब लोग गुस्साते हैं कि पानी हमारे घर-बस्ती में घुस गया, नदी-तालाब मौन रहकर 'कहते हैं' कि समाज ने हमारा घर उजाड़ कर कब्जा किया। करीब डेढ़ दशक पहले तक एक नदी बहा करती थी-साबी या साहबी नदी। जो जयपुर जिले की सेवर की पहाड़ियों से निकल कोटकासिम, धारूहेड़ा, बहरोड़, तिजारा, पटौदी और झज्जर होते हुए नजफगढ़ झील तक पहुंचती थी। नए गुरुग्राम में इसका प्रवाह घाटा, ग्वाल पहाड़ी, बहरामपुर, मेरावास, नंगली और बादशाहपुर तक फैला था, जहां इससे जुड़ी कई बड़ी झीलें थीं। कुछ स्थानों पर साहबी का पाट एक एकड़ तक चौड़ा था। आश्चर्य है कि गुरुग्राम की सीमा में इस नदी का कोई राजस्व रिकॉर्ड ही दर्ज नहीं है। करीब 15 साल पहले हुड्डा ने नदी के जलग्रहण क्षेत्र को 'आर-जोन' घोषित कर दिया। इससे पहले इस क्षेत्र की जमीन कुछ किसानों के नाम दर्ज थी। आर-जोन घोषित होते ही जमीन पर बिल्डरों की नजर पड़ी और एक एकड़ की कीमत पचास लाख से बढ़कर पंद्रह करोड़ प्रति एकड़ तक हो गई।

नदी मार्ग पर सेक्टर 58 से 65 तक कई कॉलोनियां और बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गईं। जब नदी के रास्ते में निर्माण होगा, तो पानी इमारतों के आसपास जमा होगा ही। असल में इस नदी के बहाव से कई तालाब जुड़े थे-जब नदी उफान पर होती तो तालाब भर जाते। गुरुग्राम में 1956 में 640 तालाब

थे जो कि 1971 में 519 रह गये और आज बड़े मुश्किल से 251 बचे हैं, जिनमें से आधे ठीक करना सम्भव नहीं। थोड़ी-सी बरसात में ही गुरुग्राम के पानी-पानी होने और फिर सालभर बेपानी रहने का कारण केवल नदी और तालाबों का लुप्त होना नहीं, जमीन के लालच में कई अहम नाले हड़पना भी है । डीएलएफ फेज तीन से सिकंदरपुर, सुचाराली से पालम विहार व बादशाहपुर से खाडसा होते हुए नजफगढ़ वाला नाला भी गुम हो गया। इन तीनों की जल-ग्रहण क्षमता कई हजार घन मीटर थी। गुरुग्राम के दिल्ली की द्वारका की तरफ के इलाके में जल-भराव का मुख्य कारण उस विशाल जल-निधि का तहस-नहस होना है जो दिल्ली एनसीआर की प्यास बुझाने को अकेले ही काफी थी। दिल्ली-गुड़गांव अरावली पर्वतमाला के तले है और अभी सौ साल पहले तक इस पर्वतमाला पर गिरने वाली हर एक बूंद 'डाबर' में जमा होती थी। 'डाबर यानी उत्तरी-पश्चिम दिल्ली का वह निचला इलाका जो कि पहाड़ों से घिरा था। इसमें कई अन्य झीलों व नदियों का पानी आकर भी जुड़ता था। इस झील का विस्तार एक हजार वर्ग किमी था जो आज गुड़गांव के सेक्टर 107, 108 से लेकर दिल्ली के नए हवाई अड्डे के पास पप्पनकलां तक था। इसमें कई नहरें व सरिता थीं। आज दिल्ली के भूजल प्रदूषण का बड़ा कारक बना नजफगढ़ नाला कभी जयपुर के जीतगढ़ से निकल कर अलवर, कोटपुतली, रेवाड़ी व रोहतक होते हुए नजफगढ़ झील व वहां से दिल्ली में साबी नदी के जरिये नजफगढ़ झील का अतिरिक्त पानी यमुना में मिल जाया करता था। साल 1912 के आसपास दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आई व अंग्रेजी हुकूमत ने नजफगढ़ नाले को गहरा कर पानी निकासी का जुगाड़ किया।

इसके साथ ही नजफगढ़ झील के नाले में बदलने की दुखद कथा शुरू हो गई। सन 2005 में ही केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नजफगढ़ नाले को देश के सर्वाधिक दूषित 12 वेट लैंड में से एक बताया था। प्रकृति के साथ लगातार छेड़छाड़ की कीमत महज इंसानों ने ही नहीं चुकायी, इस वेटलैंड में सदियों से बसने वाले कई जानवर, पक्षी ओर वनस्पति भी इसके शिकार हुए। जंगल या जल तब तक ही सुरक्षित रहता है जब तक उसमें जीव-जंतुओं की संख्या का संतुलन बना रहे। वहीं थोड़ी सी बारिश में ही निचले इलाके में झील को घेर कर बनी कॉलोनियों में पानी भर जाता है।

दूरगामी रणनीति से बनेंगे पड़ोसियों से अच्छे संबंध

पुष्परंजन

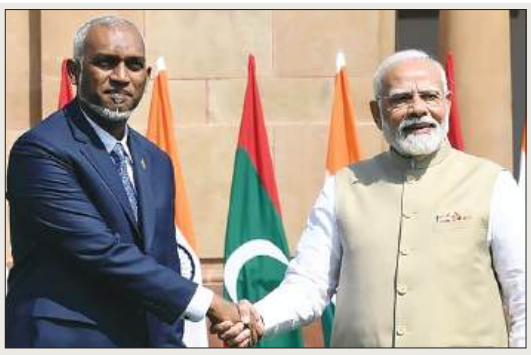

किसी ने सोचा नहीं था, मोदी और मुइज़्ज़ू कभी 'सेम पेज' पर आ पाएंगे। यों, पीएम मोदी मालदीव तीसरी बार जा रहे हैं। मगर, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू के शासन के दौरान उनकी यह पहली यात्रा होगी। उनकी इस यात्रा से माले और नई दिल्ली के बीच संबंधों की नई इबारत लिखी जाएगी। विश्लेषकों ने इसे चीन के प्रभाव को 'पछाड़ने और उससे आगे निकलने' का प्रयास बताया है। 2025 के भारतीय बजट में, मालदीव को 6 अरब रुपये के आवंटन के बाद माले का भरोसा दिल्ली पर बढ़ा, जो पिछले वर्ष के 4.7 अरब रुपये से अधिक थी। इसे दक्षिण एशियाई लाभार्थियों में सबसे बड़ी वृद्धि बताया गया था। मोदी की मालदीव यात्रा पर केवल चीन-पाकिस्तान नहीं, अमेरिका की भी नजर है। 1 जनवरी, 2025 को चीन-मालदीव मुक्त व्यापार समझौता (सीएमएफटीए) लागू हो गया, जिस पर 2014 में हस्ताक्षर हुए थे।

मालदीव की संसद ने 2017 में इस व्यापार समझौते को मंजूरी दे दी थी, लेकिन इब्राहिम सोलिह के नेतृत्व वाली सरकार ने 2018 में इसे निलंबित कर दिया था। पिछले साल जनवरी में, मालदीव और चीन ने पर्यटन सहयोग समझौते सहित 20 प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए और एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। मुइज़्ज़ू प्रशासन ने चीन से लिए गए 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के ऋणों के पुनर्गठन की भी मांग की। मालदीव ने पिछले साल चीनी अनुसंधान पोत जियांग यांग होंग-3 को अपने जलक्षेत्र में आने की अनुमति दी थी, जिससे भारत में चिंताएं बढ़ गई थीं। जनवरी, 2025 में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने मालदीव का अचानक दौरा किया, जहां उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू से बातचीत की, और द्विपक्षीय संबंधों को दुरुस्त करने पर जोर दिया। वांग यी को लग रहा था कि भारत-चीन फिर से नजदीक आ रहे हैं। यों, जनवरी, 2024 में ही संकेत मिल गया था कि मुइज़्ज़ू भारत से संतुलित सम्बन्ध बनाने को इच्छुक हैं।

मुइज़्ज़ू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए तीन मंत्रियों मरियम शिउना, मालशा शरीफ, और महजूम मजीद को निलंबित कर दिया था। 6 से 10 अक्टूबर, 2024 के दौरान मुइज़्ज़ू भारत आये और दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की, जहां दोनों ने एक संयुक्त विजन दस्तावेज जारी किया था। उस अवसर पर हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को गहरा करने की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी। समझौते में कहा गया था कि भारत मालदीव के रक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद करेगा, जिसमें भारत की मदद से निर्मित माले में अत्याधुनिक रक्षा मंत्रालय के भवन का उद्घाटन भी शामिल है। ऐसा लगता है, मुइज़्ज़ू अपने चीन समर्थक होने का मुलम्मा उतारना चाहते हैं। दो साल से उन्हें 'प्रो चाइना प्रेसिडेंट' ब्रांडेड किया गया था। नवंबर, 2023 में भारत-मालद्वीव उभयपक्षीय संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू, जिन्होंने 'इंडिया आउट' का प्रचार किया था।

उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता की चिंताओं का हवाला देते हुए नई दिल्ली को भारत द्वारा उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टरों और एक फिक्स्ड-विंग विमान का संचालन और रखरखाव करने वाले 89 सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया था। मालदीव-पाकिस्तान के संबंधों को समझना है तो वहां की संसद को देखिये, जिसका निर्माण पाकिस्तान ने 45 मिलियन रुपये लगाकर किया था। माले के मागू स्थित संसद भवन 'मजलिस' का उद्घाटन 1 अगस्त, 1998 को पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की उपस्थिति में किया गया था। उसके 19 साल बाद, 25 जून, 2017 को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी पत्नी कलसूम नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। नवाज को दोबारा मालदीव बुलाने से पहले तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन 7 मई, 2015 को इस्लामाबाद भी गये थे। पाक सेना के तत्कालीन प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने मार्च, 2018 के अंत में मालदीव का दौरा किया था। इस समय पाकिस्तान में मालदीव के अधिकांश छात्र देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। 550 से 600 मालदीवियन युवा अपंजीकृत तालिब मदरसों में दीक्षा ले रहे हैं। वर्ष 1965 में मालदीव एक स्वतंत्र देश बना। भारत, इस द्वीपीय राष्ट्र को मान्यता देने वाला पहला देश था।

वर्ष 1972 में भारत ने मालदीव में अपना पहला उच्चायोग स्थापित किया, जबकि 2004 में मालदीव ने नई दिल्ली में अपना पहला पूर्ण राजनयिक मिशन खोला था। ठीक से देखा जाए, तो मोदी के कालखंड में मालदीव से उतार-चढ़ाव वाले संबंध रहे हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चीन पर दोष मढ़ने की बजाय, भारत को अपने पड़ोसी देशों में चल रही गतिविधियों को ध्यान में रखकर दूरगामी रणनीति बनाने की जरूरत थी। आप मानें न मानें, पाकिस्तान, चीन, सऊदी अरब और तुर्की का नेक्सस की भूमिका दिल्ली से माले के संबंध बिगाड़ने में दरपेश रही है। रविवार को अपने बयान में, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू के कार्यालय ने यह नहीं कहा कि प्रधानमंत्री मोदी स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। बल्कि, बयान में यह उद्धृत था कि 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस और मालदीव-भारत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी कई संयुक्त परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

मानसून में बढ़ जाता है इन बीमारियों का खतरा

मानसून का मौसम ताजगी का अहसास दिलाता है, लेकिन इस दौरान नमी बनी रहती है और यह कीटाणुओं के पनपने का सबसे उपयुक्त समय होता है। इसके अतिरिक्त हवा में नमी बढ़ने और बारिश के बाद रूके हुए पानी से बने गड्ढों के कारण भी सूक्ष्मजीव पनप सकते हैं, जिससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। क्योंकि मानसून, अपने साथ सिर्फ बारिश की ठंडी फुहारें और गर्मी से राहत ही नहीं लाता, बल्कि इसके साथ कई स्वास्थ्य चुनौतियां भी आती हैं। इस मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है, जिससे सूक्ष्मजीवों को पनपने का अनुकूल माहौल मिलता है। सड़कों पर जमा गंदा पानी और तेजी से बढ़ती मच्छरों की संख्या कई अदृश्य खतरों को जन्म देती है, जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को चुनौती दे सकते हैं। ऐसे में इस बदलते मौसम में खुद को सचेत रखना बहुत जरूरी है। मानसून में ऐसी कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है जिनसे बचने के लिए हमें कई सावधानी बरतनी चाहिए।

टाइफाइड

टाइफाइड साल्मोनेला बैक्टीरिया के कारण फैलता है, जो दूषित पानी और भोजन से शरीर में प्रवेश करता है। मानसून में गंदा पानी और अस्वच्छ भोजन इस बीमारी का खतरा बढ़ाते हैं। बुखार, सिरदर्द, और कमजोरी इसके प्रमुख लक्षण हैं। अब क्योंकि मानसून आने वाला इसलिए अभी कुछ सावधानियां बरतें, जैसे- साफ या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं। साथ ही बाहर का खाना, खासकर काटकर रखे हुए फल और स्ट्रीट फूड से परहेज करें। क्योंकि टाइफाइड इंसान को आम तौर पर होने वाला आंतों का संक्रमण है। अगर इसका उपचार न किया जाए तो यह प्राणघातक हो सकता है। टाइफाइड की समस्या भारत में भी आम है। इसलिए इसके कारण, लक्षण और उपचार जानना बेहद जरूरी है ताकि आप खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें।

मलेरिया

मलेरिया मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। बारिश में जगह-जगह जमा पानी मच्छरों के प्रजनन को बढ़ावा देता है। बुखार, ठंड लगना और पसीना आना इसके प्रमुख लक्षण हैं। बचाव के लिए घर के आसपास पानी जमा न होने दें। मच्छरदानी का उपयोग करें। पूरी बांह के कपड़े पहनें और मच्छर से बचने के लिए मॉस्किटो रिप्लीकेंट का प्रयोग करें।

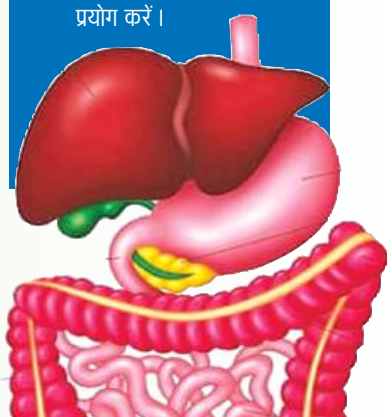

डेंगू

डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है, जो सामान्यतौर पर दिन में सक्रिय रहता है। तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, और त्वचा पर चकते इसके लक्षण हैं। मानसून में साफ पानी में भी डेंगू मच्छर पनप सकते हैं। गमलों, कूलर, और टायरों में पानी जमा न होने दें। मच्छरों से बचने के लिए मच्छर भगाने वाले क्रीम का उपयोग करें।

पाचन संबंधी समस्याएं

आपका पाचन तंत्र भोजन को आपके शरीर में एक अविश्वसनीय यात्रा पर भेजता है। पाचन एक जटिल प्रक्रिया है। इसमें कई अंग एक साथ काम करते हैं। लेकिन मानसून में पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस मौसम में रखे हुए भोजन जल्दी खराब हो जाते हैं, जिससे दस्त, उल्टी, और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा बरसात के मौसम में लोग बाहर का खाना ज्यादा खाते हैं। यह मानसून में बीमार पड़ने की सबसे बड़ी वजह होता है। मानसून में लोग पानी का सेवन कम करते हैं। ऐसे में कुछ लोगों की प्यास प्राकृतिक रूप से ही खत्म हो जाती है। वाटर इंटेक कम रहने से बॉडी डिहाइड्रेट रहती है। इस कारण पाचन से जुड़ी समस्याएं बार-बार होती हैं। गंदा पानी और अस्वच्छ भोजन बैक्टीरियल इंफेक्शन का कारण बनता है। इसलिए घर का बना हुआ ताजा खाना खाएं। कच्ची सब्जियों को अच्छे से धोकर पकाएं।

हंसना मना है

पत्नी- आपको मेरी सुंदरता ज्यादा अच्छी लगती है या मेरे संस्कार? पति- मुझे तो तेरी ये मजाक करने की आदत बहुत अच्छी लगती है।

शादी के वक्त भाई समझौता दोनों ही करते है। स्त्री- अपने मां बाप व मायका छोड़ देती हैं और पुरुष अपने सुख-शांति व अच्छे दिनों की उम्मीद।

पंडितजी की कथा और अपने बीवी की व्यथा बिलकुल एक जैसी होती है समझ में तो कुछ ज्यादा नहीं आता, फिर भी उसे ध्यान लगाकर सुनने का नाटक करना ही पड़ता है..

एक बेरोजगार का दर्द... यहां रेलवे ग्रूप डी की तैयारी नहीं हो पा रही... और सोनी मैक्स पर हीरालाल ठाकुर की बहू हर हफ्ते आईएएस क्लियर कर देती है...

शाम को पति के घर आते ही पत्नी ने किच-किच शुरू कर दी, परेशान पति- अरे यार दिनभर का थका-हारा आया हूं, पहले फ्रेश तो होने दो.. पत्नी - मैं भी तो दिनभर अकेली थी, तो मैं भी फ्रेश ही हो रही हूं...

मास्टर जी- शांति किसके घर में रहती है... पप्पू- जिस घर में पति और पत्नी दोनों मोबाइल चलाते हैं...

कहानी | लहरें गिनना

एक बार बादशाह अकबर के दरबार में उनसे नौकरी मांगने की फरियाद लेकर एक व्यक्ति पहुंचा। उसकी बुद्धि की परीक्षा लेने के बाद बादशाह ने उसे चुंगी यानी टैक्स वसूलने वाला अधिकारी बना दिया। बीरबल उसे कुछ देर ध्यान से देखने के बाद कहा कि बादशाह यह व्यक्ति ज्यादा ही चालाक लग रहा है। यह जल्द ही कुछ-न-कुछ बेईमानी जरूर करेगा। एक दिन बादशाह अकबर के पास एक-दो व्यक्ति उस अधिकारी की शिकायत लेकर आए। शिकायतें मामूली थीं, इसलिए उनपर ज्यादा किसी ने ध्यान नहीं दिया। उसके बाद रिश्वत लेने और जनता को परेशान करने के आरोप भी उस अधिकारी पर लगने लगे। इतनी शिकायतें आने पर बादशाह ने फैसला किया कि उसे अस्तबल का मुंशी बनाया जाएगा। फिर अकबर ने मन में कहा कि अब घोड़ों की लीद उठवाने के काम में ये क्या ही बेईमानी कर पाएगा। वहां मुंशी के पद पर पहुंचते ही उस व्यक्ति ने फिर रिश्वत लेना शुरू कर दिया। उसने सीधे घोड़े की देखभाल करने वालों से कह दिया कि तुम लोग घोड़ों को कम दाना-पानी खिलाते हो। इसका पता बादशाह को चला है, इसलिए मुझे लीद को तोलने के लिए भेजा है। अब अगर लीद का वजन कम हुआ, तो सबकी शिकायत बादशाह से कर दूंगा। इस तरह से उस मुंशी से परेशान होकर हर घोड़े के हिसाब से उसे एक रुपये लोगों ने देना शुरू कर दिया। यह बात भी कुछ समय बाद अकबर तक पहुंच गई। उन्होंने मुंशी को सीधे यमुना की लहरें गिनने का कार्य सौंप दिया। कुछ ही दिनों में जैसे ही वो व्यक्ति यमुना किनारे पहुंचा, तो वहां भी उसने अपना दिमाग दौड़ा लिया। वो नाव से सवारी करने वालों को रोक-रोककर कहता कि मैं लहरें गिन रहा हूं। ऐसे में तुम लोग यहां से नहीं निकल सकते हो। इसी जगह पर दो-तीन दिन तक रुकना होगा। रोज-रोज ऐसी बातें सुनकर नाव चलाने वालों ने अपने कार्य को जारी रखने के लिए उसे दस-दस रुपये की रिश्वत देना शुरू कर दिया। अब यमुना किनारे भी वो व्यक्ति खूब बेईमानी कर रहा था। एक-दो महीने में यह बात भी बादशाह तक पहुंच गई। तभी अकबर ने एक लिखा हुआ आदेश भिजवाया, नाव को रोको मत, जाने दो। वो व्यक्ति चतुर था उसने बादशाह के आदेश वाले पत्र को नावों को रोको, मत जाने दो कर दिया था। इस थोड़ी हेरफेर के बाद उसने अकबर का आदेश वहां टंगवा दिया। आखिर में उससे परेशान होकर बादशाह ने उसे नौकरी से ही निकाल दिया। तभी बादशाह को बीरबल की बात याद आ गई कि ये आदमी बेईमानी जरूर करेगा। तब उनके मन में हुआ कि मुझे उसे पहली गलती में ही कठोर दंड देना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। धनार्जन सुगम होगा।

वृषभ वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। नई आर्थिक नीति बनेगी।

धनु बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

कुम्भ कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन आज माता का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। नवीन भूमि, भवन, दुकान या फैक्टरी खरीदने की योजना बनेगी। आपके रोजगार में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं पहली बार तनाव महसूस नहीं कर रही हूं : विद्या बालन

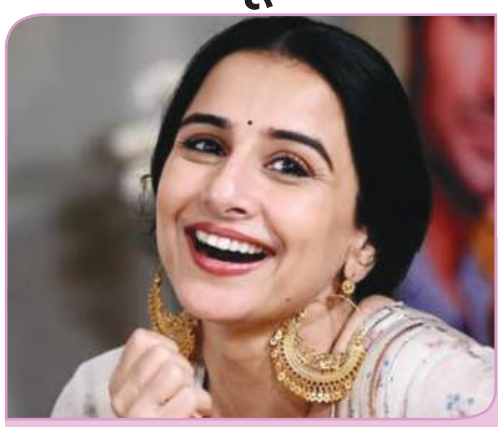

विद्या बालन को उनके फैंस बड़े पर्दे पर कम और इंस्टाग्राम रील पर ज्यादा देख रहे हैं। रील बनाने के प्रोसेस को भी विद्या बालन एंज्वॉय कर रही हैं। हालिया एक इंटरव्यू में अपने करियर में लिए गए इस ब्रेक के बारे में विद्या ने कई सारी बातें साझा की हैं। द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से की गई बातचीत में विद्या बालन ने अपने मौजूदा करियर फेज को लेकर बात की है। वह कहती हैं, 'मैं बहुत ही ज्यादा उम्मीद रखने वाली इंसान हूं, मैं काफी आशावादी हूं। मुझमें बहुत कॉन्फिडेंस है। मैंने अपनी पूरी एबिलिटी के साथ काम किया है। लोगों ने मुझे कहा कि खुद पर काम करना चाहिए, मुझे अपना वजन कम करना चाहिए। मैंने लोगों के सजेशन को सुना, इन बातों ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की। मुझे अब भी लीड रोल मिल रहे हैं, मैं किसी भी तरह की इनसिक्योरिटी से परेशान नहीं हूं।' अपने अटूट आत्मविश्वास के बल पर ही उन्होंने वर्षों तक एक ऐसे उद्योग में काम किया है जहाँ अक्सर दिखावे को लेकर जुनून सवार रहता है। और अब, वर्षों में पहली बार, विद्या ने कहा कि वह तनाव-मुक्त दौर का आनंद ले रही हैं। अपने जीवन में पहली बार, मैं तनाव का अनुभव नहीं कर रही हूँ। जाने-अनजाने, हम बहुत तनाव से गुज़रते हैं। मैं इस दौर का आनंद ले रही हूँ। मैं पटकथाएँ पढ़ रही हूँ, लोगों से मिल रही हूँ, और मैंने दो फिल्में तय कर ली हैं। विद्या ने कहा, दुर्भाग्य से, मैं अभी इस बारे में बात नहीं कर पा रही हूँ। पिछले साल विद्या बालन फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। इस साल वह रितेश देशमुख के साथ एक फिल्म 'राजा शिवाजी' कर रही हैं। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराजा पर आधारित है। विद्या को इस फिल्म में रितेश देशमुख डायरेक्ट कर रहे हैं। बतौर डायरेक्टर वह रितेश को काफी सराहती हैं।

अबीर गुलाल के बैन होने पर वाणी कपूर ने तोड़ी चुप्पी, कहा-

फिल्म प्यार फैलाने के लिए बनाई गई थी, मगर मिली सिर्फ नफरत

वाणी कपूर हर जगह छाई हुई हैं। उनकी फिल्म रेड 2 सुपरहिट साबित हुई है। थिएटर्स के बाद वाणी अब ओटीटी पर डेब्यू करने जा रही हैं। उनकी फिल्म मंडाला मर्डर्स रिलीज होने के लिए तैयार है। ये फिल्म 25 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। वाणी अपनी फिल्म के लिए थोड़ी नर्वस भी हैं। इस फिल्म में उनके साथ सुरवीन चावला भी अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वाणी की इस साल एक और फिल्म आने वाली थी मगर उसे बैन कर दिया गया है। वो फिल्म पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान के साथ अबीर गुलाल है। अबीर गुलाल के बैन पर भी वाणी ने रिएक्ट किया है।

वाणी कपूर ने कहा- फिल्मों में, आपके पास केवल दो से तीन घंटे होते हैं जिनमें आपको आर्क बनाना होता है, उसे इस्टैबलिश करना होता है और उस कम समय में हर चीज़ को परतों में ढालना होता है।

वाणी कपूर को फिल्म अबीर गुलाल की वजह से आलोचना का सामना करना पड़ा था। इस फिल्म से पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान बॉलीवुड में कमबैक करने जा रहे थे। अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद इस फिल्म को बैन कर दिया गया था। अबीर गुलाल के बैन होने पर वाणी कपूर ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि किसी का इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का था। फिल्म प्यार फैलाने के लिए बनाई गई थी मगर इसे सिर्फ नफरत ही मिली। इसकी शूटिंग बिल्कुल अलग समय पर हुई थी। यह पूरा हमला दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन फिल्म की शूटिंग बहुत पहले हो चुकी थी, जब कोई समस्या नहीं थी।

बॉलीवुड | गपशप

वाणी ने आगे कहा-मेकर्स ने सारी जरूरी परमिशन ले ली थीं। लेकिन हमलों के बाद, हम सभी ने, टीम और मैंने, देश की भावनाओं का सम्मान किया और उन्हें समझा। हमने हमेशा कानून का पालन किया है, ऐसा कुछ नहीं है कि कोई बदमाश बन गया हो और कानून की अपेक्षाओं के खिलाफ गया हो। किसी ने देश की भावनाओं को सबसे पहले रखा है।

25 जुलाई को ओटीटी पर रिलीज होगी सरजमीन

सरज़मीन' एक ज़बरदस्त मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन, काजोल और इब्राहिम अली खान ने लीड रोल प्ले किया है। नादानियां में एक लवर बॉय की भूमिका निभाने के बाद, इब्राहिम अब सरजमीन में एक खूंखार अवतार में नजर आएंगें। फिल्म के ट्रेलर में इब्राहिम खान के इंटेंस लुक को देखने के बाद हर कोई इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रह है। चलिए जानते है 'सरज़मीन' ओटीटी पर कब और कहां रिलीज होगी? 'सरज़मीन' को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है। ये फिल्म थिएटर में नहीं बल्कि सीधे ओटीटी पर दस्तक देगी। बता दें कि 'सरज़मीन' को जियो हॉटस्टार पर 25 जुलाई को रिलीज किया जाएगा। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस करते हुए करण जौहर ने अपने इंस्टा पर एक पोस्ट भी शेयर की है। जिसमें उन्होंने लिखा। यहां हर फैसला एक कुर्बानी है, देश की या अपनों की... कुछ ऐसी सरजमीन की कहानी है, सरजमीन 25 जुलाई को रिलीज हो रही है सिर्फ जियो हॉटस्टार पर। सरजमीन विजय मेनन (पृथ्वीराज सुकुमारन) नाम के एक आर्मी अफसर पर फोकस्ड है, जो कश्मी में आतंकवाद के खिलाफ एक लड़ाई लडता है। उसकी पत्नी (काजोल) और एक युवक (इब्राहिम अली खान) भी इस संघर्ष में शामिल हैं। यह फिल्म कश्मीर की राजनीतिक उथल-पुथल भरे माहौल में दायित्व, निस्वार्थता और संघर्ष को गहराई से दिखाती है। इस फिल्म का निर्देशन कायोज ईरानी ने किया है।

सरजमीन 25 जुलाई 2025 से एक्स्क्लूसिवली जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबल होगी। भारत के लीडिंग स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म में से एक, जियो हॉटस्टार अलग-अलग डिवाइस पर ग्राहकों के लिए इस मच अवेटेड रिलीज को एक्सेस करने की इजाजत देता है।

अजब-गजब | कतर्नियाघाट जंगल में मौजूद पेड़ की है अजीब-गरीब कहानी

इस पेड़ को सहलाने या गुदगुदाने से ही हिलने लगती हैं इसकी टहनियां व पत्ते

भारत में अनेकों प्रकार के पेड़ पौधे पाए जाते हैं जिनमें से एक पेड़ बहराइच जिले के कतर्नियाघाट जंगल में मौजूद है जो बड़ा ही विचित्र है। जिसको सहलाने या गुदगुदाने से टहनियां पत्ते हिलने लगते हैं, जिसको गुदगुदी वाला या खुजली वाला पेड़ भी कहा जाता है। बरसों से आने वाले टूरिस्टों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां पर आने वाले लोग बिना इस पेड़ को छुए वापस नहीं जाते हैं।

इस पेड़ को किसी ने लगाया नहीं है, यह जंगल में अपने आप उगा हुआ माना जाता है। जब कतर्नियाघाट जंगल को टूरिस्ट प्लेस के रूप में विकसित किया गया, तब यहां लोगों का आना शुरू हुआ। तभी, एक बार रोड के किनारे लगे इस पेड़ के पास एक टूरिस्ट का हाथ पड़ गया। हाथ लगते ही पूरा पेड़ हिलने लगा, जिसे देखकर वह टूरिस्ट हैरान रह गया। फिर उसने हल्के हाथों से तने को सहलाया और यह देखकर अचंभित रह गया कि इतना भारी-भरकम पेड़ सिर्फ सहलाने से ही ऐसे हिलने लगा मानो उसे गुदगुदी हो रही हो। इसके बाद यह खबर तेजी से फैल गई और तब से लेकर आज तक लोग वन्यजीवों के साथ-साथ इस अनोखे पेड़ को भी देखने दूर-दराज से आते हैं और इसे छूकर

गुदगुदी करने का अनुभव लेते हैं।

वैसे तो जब आप जंगल की सैर या सफारी का आनंद लेते हैं, तो सफारी में मौजूद गाइड और चालक आपको हर चीज की जानकारी देते हैं, जिसमें इस पेड़ के बारे में भी बताया जाता है। लेकिन, अगर आप चाहें, तो बिना सफारी के भी इस पेड़ को आसानी से देख सकते हैं। जैसे ही आप कतर्नियाघाट टूरिस्ट हब में दाखिल होते हैं, उससे करीब 1 से 2 किलोमीटर पहले ही जंगल के दोनों तरफ बेरी कटिंग दिखने लगती है। इन्हीं बेरी कटिंग के किनारे यह पेड़ रोड के पास ही नजर आ जाता है। हालांकि यह इलाका जंगल क्षेत्र में आता है और यहां वन्य जीवों का खतरा बना रहता है, इसलिए यदि आप इस पेड़ को छूकर गुदगुदी करना चाहें तो यह काम सावधानीपूर्वक करें।

जब भारतीय चींटियों ने अंग्रेजों के छुड़ा दिए छक्के... करोड़ों का कारोबार छोड़ भागे फिरंगी!

शाहजहांपुर को 'क्रांतिकारियों की धरती' कहा जाता है। यहां जन्म लेने वाले शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खान ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिया। इसके अलावा आजादी की लड़ाई में शाहजहांपुर के चींटियों ने भी खासा योगदान दिया। यहां चींटियों ने अंग्रेजों को भगाने के लिए लड़ाई लड़ी थी। इस लड़ाई में चींटियों को कामयाबी भी मिली और अंग्रेज यहां से अपना एक बड़ा व्यापार समेट कर भाग गए। पूरा वाक्या 1857 में क्रांतिकारी विद्रोह के दौरान का है। जब चींटियों की वजह से अंग्रेजों को शाहजहांपुर में स्थापित की गई केरू एंड कंपनी के कारोबार को समेटना पड़ा। यह कंपनी यहां क्रिस्टल चीनी, स्पिरिट और रम बनाने का बड़े स्तर पर कारोबार करती थी। 'शाहजहांपुर का इतिहास 1857' पुस्तक के लेखक इतिहासकार डॉ. विकास खुराना ने बताया कि अंग्रेजों ने 1805 में केरू एंड कंपनी को सबसे पहले कानपुर में स्थापित किया था। जिसमें क्रिस्टल चीनी, स्पिरिट और रम बनाई जाती थी। केरू एंड कंपनी से तैयार हुए उत्पादों को यूरोप तक निर्यात किया जाता था। कानपुर में सफलता मिली तो शाहजहांपुर में एक यूनिट लगाई गई। अंग्रेजों ने वर्ष 1811 में शाहजहांपुर में रामगंगा के पास एक यूनिट लगा दी। उसके बाद 1834 में उस यूनिट को शाहजहांपुर शहर से करीब 5 किलोमीटर दूर रौसर कोठी में स्थापित कर दिया। दरअसल शाहजहांपुर के रौसर कोठी के बड़े इलाके में गन्ने की खेती होती थी। इसके साथ-साथ गर्रा और खन्नौत नदी से व्यापार के लिए नौगम्य सुविधा भी मिल रही थी। शाहजहांपुर में कंपनी की स्थापना के बाद जिले के उत्तर में फैले हुए जंगलों की लकड़ी पर भी कंपनी को अधिकार मिल गए थे। हालांकि1857 में क्रांतिकारी विद्रोह के दौरान क्रांतिकारियों ने फैक्ट्री को लूट लिया और आग लगा दी। इसके बाद कंपनी के मालिक जीबी केरू किसी तरह से यहां से भाग निकले और मितौली के राजा की मदद से लखनऊ जा पहुंचे यहां उनकी हत्या कर दी गई। विद्रोह शांत होने के बाद एक बार फिर से कंपनी को रौसर कोठी से शाहजहांपुर के केरूगंज में स्थापित किया गया। कंपनी द्वारा रम और क्रिस्टल चीनी का उत्पादन रौसर कोठी में ही जारी रखा लेकिन सेना के लिए तैयार की जाने वाली रम का उत्पादन यहीं से होता रहा। विद्रोह के बाद जब कंपनी दोबारा से शुरू हुई तो एक बार फिर से कंपनी का व्यापार खूब फल फुल रहा था। इतिहासकार डॉ खुराना ने साहित्यकार सुशील विचित्र के हवाले से जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान लाखों की संख्या में भारतीय चींटो ने कंपनी पर हमला बोल दिया। कंपनी प्रबंधन द्वारा चींटियों को रोकने के लिए तमाम उपाय किए लेकिन कोई भी उपाय कारगर साबित नहीं हुआ। आखिरकार अंग्रेजों ने मजबूर हो कर केरूगंज में कम्पनी के काम को बंद ही करना पड़ा।

इस तरह से इस्तीफा देना डेमोक्रेसी पर खतरे का संकेत : गहलोत

» बोले पूर्व सीएम- ये भाजपा के दबाव का परिणाम है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर केंद्र सरकार और भाजपा को घेरते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में परसराम मदेरणा की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है और धनखड़ का इस्तीफा उसी खतरे की एक और मिसाल है।

गहलोत ने कहा कि धनखड़ साहब खुद कुछ दिन पहले तक कह रहे थे कि वो 2027 तक उपराष्ट्रपति पद पर बने रहेंगे। उन्होंने तो यहां तक कहा था कि जब तक कोई दैवीय शक्ति न आ जाए, वे पद नहीं छोड़ेंगे। फिर ऐसा क्या हुआ कि अचानक इस्तीफा दे दिया गया? गहलोत ने दावा किया कि धनखड़ पूरी तरह स्वस्थ थे और उन्हें किसी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या नहीं थी। उन्होंने कहा कि धनखड़ साहब का स्वास्थ्य बहुत अच्छा था। वो दिनभर काम कर रहे थे। फिर अचानक शाम को इस्तीफा देना देश को चौंकाने वाला कदम था। उन पर क्या कोई दबाव था? ये वे ही जानें या उनकी अंतरात्मा। यह घटना बताती है कि देश में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम बार-बार कहते रहे हैं कि देश से डेमोक्रेसी खत्म हो रही है। चुनाव आयोग दबाव में काम कर रहा है। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है।

लोस अध्यक्ष व रास सभापति पर दबाव

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पहले भी कह चुके है कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति दबाव में काम कर रहे हैं और अब यह इस्तीफा इस बात को साबित करता है कि उन पर दबाव था। उन्होंने कहा कि मैंने जोधपुर में कहा था कि वे दबाव में काम करते हैं। इसका जवाब उन्होंने जयपुर में दिया था कि न मैं दबाव में काम करता हूं, न किसी को दबाव में रखता हूं लेकिन अब उनके इस्तीफे से साफ है कि इसमें कहीं न कहीं कोई लिंक है।

जनता के आगे आने पर ही आरएसएस और बीजेपी की दादागिरी खत्म होगी

बिहार में खुलेआम वोटर लिस्ट से वोट काटे जा रहे हैं। महाराष्ट्र में एकतरफा जीत दिलाई जा रही है। गहलोत ने इसके लिए जनता को भी जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सिर्फ राजनीतिक दलों के प्रयास से कुछ नहीं होगा। जब तक आम लोग आगे नहीं आएंगे, तब तक आरएसएस और बीजेपी की दादागिरी चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि सच्चाई विपक्ष के साथ है, तो जनता को उसका साथ देना चाहिए। नहीं तो देश को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

धनखड़ के निजी चिकित्सक हैं क्या गहलोत : मदन राठौड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद सियासत गरमा गई है। इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने तीखा जवाब दिया है। धनखड़ के इस्तीफे पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पलटवार किया है। राठौड़ ने गहलोत पर निजी स्वास्थ्य विषय पर राजनीति करने का आरोप लगाया और जातिवादी राजनीति से

इनकार करते हुए भाजपा की सर्वसमाज नीतियों को दोहराया। राठौड़ ने कहा, गहलोत साहब न तो डॉक्टर हैं और न ही धनखड़ जी के निजी डॉक्टर। जब कोई व्यक्ति स्वयं अपने स्वास्थ्य कारणों से पद से इस्तीफा देता है, तो उस पर अविश्वास जताना या राजनीति करना निंदनीय है। गहलोत जी को ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए। पहला सुख निरोगी काया। जब व्यक्ति बीमार होता है तो राजनीति जरूरी नहीं होती। स्वस्थ होंगे तो फिर से राजनीति कर सकते हैं।

कजरी और चौमासा सुनकर झूम उठे लोग

» ग्रामोफोन में पारम्परिक ढंग से मनाया गया सावन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमती नगर स्थित पारुल्स ग्रामोफोन में इस साल सावन एकदम पारम्परिक ढंग से मनाया गया। कजरी , चौमासा के साथ साथ बुंदेली सावनी , राछरा भी गाया गया। कजरी की कार्यशाला आयोजित हुई थी इसके पहले जिसमें आज के आधुनिक युग में अपनी परंपरा से जुड़ना जरूरी है ये बताया गया।

अरे रामा रिमझिम बरसे पनिया , बरसन लागी बदरिया, प्यारी लगे झूला की बांकी बहार, गर्जत सावन आयो, नई झूलनी की छायां बलम इत्यादि कई गीत गाए गए और सिखाए गए। । 3 घंटे इस गीत संगीत के बीच कजरी दंगल का भी आयोजन हुआ ।इस बीच एक भी गीत संगीत रिकॉर्डिंग नहीं बजी। सब कुछ लाइव ही गाया और बजाया गया । हारमोनियम पे अंजू श्रीवास्तव, तबले पे सुजीत और ढोलक शत्रुघ्न यादव जी द्वारा बजाई गई ।भाग लेने वाले शहर के गणमान्य दीपशिखा चंद्र जो बनारस घराने की हैं , निवेदिता, नंदना, स्वाति अमिता, कमला , श्रृंखला, आभा, पल्लवी, रूमा, नीलम, निशि, पारुल होंगी। संचालन ऋतु वर्मा ने किया जो अल्मोड़ा से हैं। उत्तराखंड के सावन गीत की झलक भी ऋतु ने दी।

पुरस्कार से नवाजे गए लोग

अंत में पुरस्कार उनको मिला जिन्होंने साड़ी या लहंगे के साथ कोई और ब्लाउज़ या दुपट्टा पहना , जो सबसे दूर से आया था और जिसने किसी का दिया हुआ गिफ्ट पहना होगा या कोई कजरी से सम्बंधित मुश्किल सवालों का जवाब दिया जैसे कजरी में पद्मश्री किसको मिला, कजरी किन भाषाओं में गाई जाती है इत्यादि। सावनी सलोनी का खिताब भी दिया गया। शैल अग्रवाल और दीपशिखा को मिला। पारुल शर्मा ने बताया की यहां कोई भी प्रतिस्पर्धा कला के आधार पे और बाहरी सुंदरता, कपड़ों इत्यादि को ले कर कभी नहीं हुई न होगी।सिल बट्टे पे पीसी मेहंदी लगाई गई, पैरों में आलता और सभी पारम्परिक साज सामान से ये शाम सजी।पारम्परिक स्वाद जैसे पूरे, कचौरी, सब्जी, रायता गुलगुले, पतल में परोसे जाएंगे। सबको लड्डू और सुहाग का सामान देके विदा किया गया।

तेज प्रताप ने ठुकराया बीजेपी में शामिल होने का ऑफर!

» सोशल मीडिया पोस्ट वायरल, मोदी पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। इस बीच राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव का एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में तेज प्रताप ने एक ग्राफिक तस्वीर शेयर करते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे पीएम मोदी सपने में उन्हें बीजेपी में शामिल होने का ऑफर देते हैं, जिसे तेज प्रताप ठुकरा देते हैं। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और बिहार की राजनीति में हलचल पैदा कर रहा है। दरअसल लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से बाहर कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर जैसा कुछ नहीं होने देंगे : ममता बनर्जी

» बोलीं सीएम - भाजपा बंगालियों पर भाषाई आतंकवाद फैला रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले अपनी बंगाली अस्मिता (गौरव) की बात को तेज करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर बंगालियों पर भाषाई आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि पहचान और भाषा की लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक कि भगवा पार्टी राज्य और केंद्र दोनों में हार नहीं जाती।

वहीं ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रहा है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। बंगालियों पर भाजपा के हमलों के खिलाफ विरोध रैलियां निकालें। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों को परेशान किया जा रहा है और उन्हें हिरासत शिविरों में रखा जा रहा है।

अपना राज्य नहीं संभाल पा रहे हिमंत बिस्वा सरमा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, वह अपना राज्य नहीं संभाल सकते, लेकिन पश्चिम बंगाल के मामलों में दखल दे रहे हैं। मैं सुष्मिता देव से असम में एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का आग्रह करती हूँ। हम सब इसमें शामिल होंगे। बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में दूसरे राज्यों से लगभग 1.5 करोड़ प्रवासी आते हैं, लेकिन उन्हें कभी भी उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ा।

केएल राहुल ने इंग्लैंड में पूरे किए 1000 रन

» गावस्कर, द्रविड़, तेंदुलकर और कोहली कर चुके हैं कारनामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बतौर सलामी बल्लेबाज राहुल ने भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर के क्लब में एंट्री की है। दरसल, राहुल सुनील गावस्कर के बाद इंग्लैंड में बतौर सलामी बल्लेबाज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में चौथा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां टॉस गंवाकर भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी कर रही हैं।

इस दौरान टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बतौर सलामी बल्लेबाज राहुल ने भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर के क्लब में एंट्री की है। दरसल, राहुल सुनील गावस्कर के बाद इंग्लैंड में बतौर सलामी बल्लेबाज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं इंग्लैंड में एक हजार रन बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने हैं। केएल राहुल के अलावा सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ही अभी तक ये कारनामा कर पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में केएल राहुल 400 से ज्यादा रन बना चुके हैं। उन्होंने इस दौरान दो शतक भी लगाए हैं। राहुल इंग्लैंड में 13 टेस्ट में 1029 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने चार शतक और दो अर्धशतक ठोके हैं। जबकि तेंदुलकर ने इंग्लैंड में 17 टेस्ट में 1575 रन जड़े हैं। द्रविड़ के नाम 13 टेस्ट में 1376 रन हैं। गावस्कर ने 16 टेस्ट में 1152 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ विराट के नाम 1096 रन हैं। केएल के पास कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने का भी मौका है।

पहले दिन भारत ने खोए चार विकेट, स्कोर 260 के पार

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर मेहमानों को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। शुरुआती दिन पहली पारी में भारत ने चार विकेट खोकर 264 रन बनाए हैं। स्टंप्स के समय रवींद्र जडेजा 19 और शार्दुल ठाकुर 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने भारत को पहली पारी में अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले सत्र में इंग्लैंड के गेंदबाजों पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन दूसरे सत्र में इंग्लैंड ने वापसी की और भारत को पहला झटका दिया। क्रिस वोक्स ने केएल राहुल को जैक क्राउली के हाथों कैच कराया। वह 98 गेंदों में चार चौके की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए।

उफान पर तूफान, जाटलैंड में आक्रोश की ज्वाला

सतपाल मलिक के बाद जगदीप धनखड़ की पॉलिटिकल हत्या से नाराज हैं जाट समाज के लोग, कोई तमिल तो कोई बिहार से चाहता है उपराष्ट्रपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस्तीफा देने के बाद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एकांतवास में है, सरकार ने चुप्पी साध ली है और विपक्ष शोर मचा रहा है। वहीं जाट समाज धनखड़ के इस्तीफे के बाद गुस्से में हैं और समाज ने नया नारा भी दे दिया है।

राजस्थान, हरियाणा के बाद यूपी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इस नारे की गूंज साफ सुनाई दे रही है। नारे में कहा गया है कि अगर भाजपा सिर्फ ब्राह्मण, बनिया, ठाकुर की राजनीति करेगी, तो जाट समाज क्यों खड़ा रहेगा। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने साफ कहा है कि अगर हमारे लोगों को सत्ता में लाकर अपमानित ही करना है तो हम बीजेपी के लिए वोट मशीन नहीं हैं।

जैसा कभी सतपाल मलिक के साथ हुआ था उसी प्रकार से इस बार जगदीप धनखड़ के साथ भी वैसा ही हो रहा है। सतपाल मलिक को याद कीजिए पूर्व राज्यपाल, जाट नेता, किसान आंदोलन के पक्षधर। उन्हें भी धीरे-धीरे साइडलाइन किया गया। अब जगदीप धनखड़ एक तेज़तर्रार जाट चेहरा, जो भाजपा के सबसे बड़ी वकीलों में गिने जाते थे उन्हें भी साइड लाइन किया जा चुका है। वर्ष 2019 में जब उन्हें पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया गया था तब यही कहा गया कि संघ और सरकार उन्हें एक मजबूत और आक्रामक हिंदुत्व चेहरा बनाना चाहती है। लेकिन उपराष्ट्रपति बनते ही जैसे उनका स्वतंत्र सोच सरकार को खटकने लगा। जाट समाज खासकर राजस्थान और हरियाणा में इसे खुलेआम जाट अपमान कह रहा है। सोशल मीडिया पर जाट विरोधी सरकार और धनखड़ हटाओ तो वोट भूल जाओ कई दिनो से ट्रेंड कर रहा है।

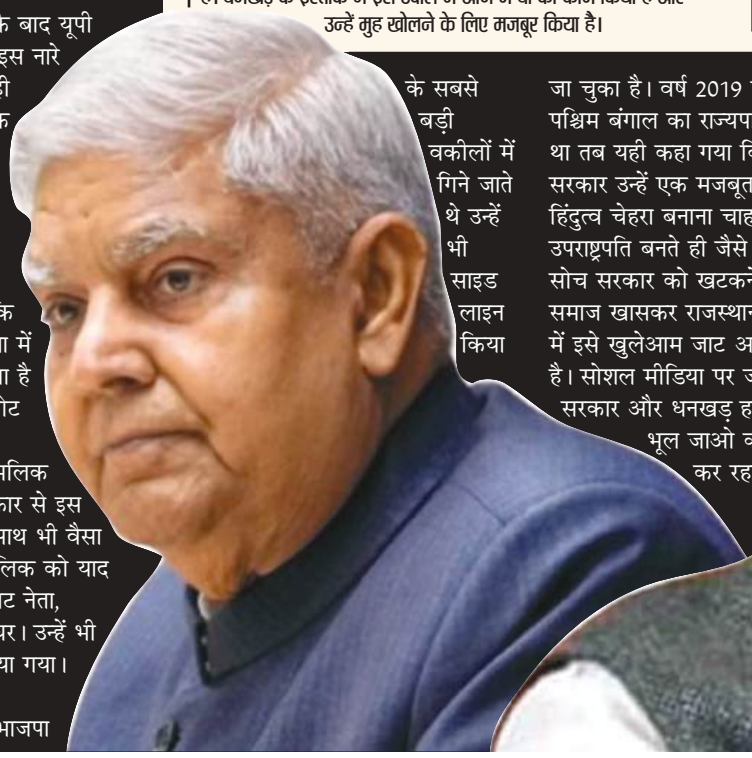

हरियाणा राजस्थान में हड़कंप

धनखड़ का इस्तीफा केवल एक पद का त्याग नहीं बल्कि भाजपा की जाट वोट बैंक को लेकर समझ का संकट उजागर करता है। इस्तीफे के बाद हरियाणा और राजस्थान जहां जाट समाज के लोग है में भयंकर नाराजगी देखी जा रही है। जाट समाज जो अभी तक बीजेपी की गोद में बैठा था अब राजस्थान में सचिन पायलट के साथ आ सकता है। धनखड़ का इस्तीफा इस पूरे समीकरण को को उलट सकता है। बात अगर हरियाणा की करे तो हरियाणा में सेना में अग्निपथ योजना को लेकर युवा जाट समाज पहले से ही उबाल पर है। धनखड़ के इस्तीफे ने इस उबाल में आग में घी का काम किया है और उन्हें मुह खोलने के लिए मजबूर किया है।

अब कौन बनेगा उपराष्ट्रपति इस पर नजर

दरअसल भाजपा का लक्ष्य अब धनख ड़ की आकामकता से हटकर एक मैनेजेबल और चुपचाप आज्ञाकारी उपराष्ट्रपति चुनना बताया जा रहा है। वहीं लीक से हटकर कुछ राजनीतिक दल मांग कर रहे हैं कि उपराष्ट्रपति तमिलनाडू से होना चाहिए। कुल मिलाकर उपराष्ट्रपति तो चुना ही जाना है। अब वह नाम कौन होगा? इस फेहरिस्त में वर्तमान कर्नाटक राज्यपाल, दलित नेता थावरचंद गहलोत का नाम सबसे ऊपर चल रहा है। वहीं सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन जोकि तमिलनाडु से आते हैं युवा है और प्रचारक पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखते हैं उन्हें भी उपराष्ट्रपति बनाया जा सकता है। वहीं बात अगर बिहार की करे तो हरिवंश नारायण सिंह राज्यसभा के उपसभापति है उन्हें बिहार चुनाव को देखते हुए प्रमोशन देने के भरपूर चांस है। वो जेडीयू कोटे से भी आते हैं। वहीं मखमली छवि के ओबीसी नेता रामनाथ ठाकुर जोकि कर्पूरी ठाकुर के पुत्र है और इस समय की सबसे बड़ी मांग ओबीसी को भी पूरा कर रहे हैं उन्हें भी उपराष्ट्रपति बनाया जा सकता है।

समाज ने विरोध शुरू किया

जाट समाज ने तय किया है कि अब वह चुप रहकर वोट नहीं देगा बल्कि बोलकर विरोध करेगा। जाट समाज की सियासत में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि जब अपमान की पीड़ा महसूस की गई हो। युवा जाट नेता अब खुलकर इस मुद्दे पर बोल रहे है और सोशल मीडिया पर कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि अगर आपको वफादारी पसंद है तो गुलाम चाहिए न कि नेता। जाट समाज गुलामी के लिए पैदा नहीं हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो अगर भाजपा इस नाराजगी को नजरअंदाज करती है तो राजस्थान, हरियाणा और पश्चिमी यूपी की सीटों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव बहिष्कार करेगा विपक्ष

» वोटर लिस्ट रिवीजन पर तेजस्वी फिर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक संकट के और तेज़ होते जाने के बीच, विपक्ष के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने संकेत दिया है कि विपक्ष आगामी विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करने पर विचार कर सकता है।

विपक्ष द्वारा संभावित बहिष्कार के बारे में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, तेजस्वी ने कहा कि इस पर भी चर्चा हो सकती है। हम देखेंगे कि जनता क्या चाहती है और सबकी क्या राय है। तेजस्वी ने मौजूदा हालात में चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि इस प्रक्रिया में जानबूझकर हेराफेरी की गई है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव ईमानदारी से नहीं हो रहे हैं, तो फिर हम चुनाव क्यों करा रहे हैं? चुनावों में हेराफेरी की गई है। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में सुधार की आड़ में विपक्षी मतदाताओं को हटाने के लिए मिलकर काम करने का आरोप लगाया। चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए, तेजस्वी ने बिहार में मतदाता सूची से कथित तौर पर 52.66 लाख नाम हटाए जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने इस दावे को चुनौती दी कि जनवरी से जून 2025 के बीच 18.66 लाख मतदाताओं की मृत्यु हो गई थी और पूछा कि ये नाम पहले क्यों नहीं हटाए गए। उन्होंने पूछा, क्या चुनाव आयोग इससे पहले सो रहा था? उन्होंने इस दावे की सत्यता पर भी सवाल उठाया कि चार महीनों के भीतर 26.01 लाख मतदाता स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए, और कहा कि बिना भौतिक सत्यापन के यह बेहद असंभव है।

नीतीश भाजपा की कठपुतली बने : अख्तरुल ईमान

एआईएमआईएम बिहार के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा कि जिन गरीबों के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, जिन दलितों के पास अन्य प्रमाण पत्र नहीं है, उन्हें कहा जाएगा कि वे वोट देने के योग्य नहीं हैं? यह सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है कि एक नागरिक राज्य का है। नीतीश कुमार निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं और विषय से बाहर की बातें करते हैं। वह भाजपा की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं। सांसद संसद भवन मकर द्वार पर एकत्रित हुए और इस प्रक्रिया को रोकने की मांग की।

बिहार में तेजस्वी ने पहले ही हार मान ली : रामदास अठावले

बिहार एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के विरोध पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, अगर वे (तेजस्वी यादव) चुनाव बहिष्कार की बात कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे हार मान रहे हैं। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना में बुधवार शाम कहा था कि विपक्ष विधानसभा चुनाव का बायकॉट कर सकता है। इसे लेकर महागठबंधन की सभी पार्टियों के बीच विचार करेंगे।

फिर सामने आई रेलवे की लापरवाही बड़ी दुर्घटना टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। शालीमार-संबलपुर महिमा गोसाई एक्सप्रेस का एक डिब्बा बृहस्पतिवार को संबलपुर रेलवे स्टेशन के करीब पटरी से उतर गया। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

पूर्वी तटीय रेलवे ने एक बयान में कहा कि यह घटना संबलपुर सिटी स्टेशन-संबलपुर जंक्शन के बीच हुई, जब ट्रेन बहुत धीमी गति से सुबह नौ बजकर 18 मिनट पर संबलपुर शहर से रवाना हुई। रेलवे के बयान में कहा गया है, ''इस घटना में जान या माल के नुकसान की खबर नहीं है।'' ट्रेन के गार्ड ने बताया कि ट्रेन की गति धीमी होने के कारण एक बड़ी घटना टल गयी। रेलवे अधिकारी और स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और यात्रियों को दूसरी बोगी में बैठाया गया।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट: सुप्रीम कोर्ट की हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

» 3 दिन पहले 12 आरोपी बरी हुए, सुप्रीम कोर्ट बोला- फिलहाल दोबारा जेल भेजना जरूरी नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से आरोपियों की जेल से रिहाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ट्रेन ब्लास्ट केस में 13 लोग आरोपी थे। 12 सभी रिहा हो गए हैं। एक आरोपी की मौत हो गई है। 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे।

घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है।जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र राज्य की ओर से सॉलिसिटर जनरलतुषार मेहता पेश हुए। फैसले के बाद जेल से रिहा हुए आरोपियों को सरेंडर करने का निर्देश देने का अनुरोध नहीं कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि फैसले पर रोक लगाई जाए।सुप्रीम कोर्ट बेंच ने बताया हमें सूचित किया गया है कि सभी आरोपियों को रिहा कर दिया गया है। ऐसे में उन्हें वापस जेल भेजने का कोई सवाल नहीं उठता।

अनिल अंबानी ग्रुप पर ईडी का एक्शन

» 3000 करोड़ के घोटाले को लेकर 50 जगहों पर छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की बड़ी जांच शुरू कर दी है। अनिल अंबानी से जुड़ी 48-50 लोकेशन पर श्वष्ठ का सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

बता दें कि ये कार्रवाई सीबीआई की तरफ से 2 एफआईआर दर्ज करने के बाद की जा रही है। जांच में सामने आया है कि इन कंपनियों ने बैंकों से लोन लेकर पैसों का गलत इस्तेमाल किया। उन्हें दूसरी कंपनियों में घुमाया और आम लोगों, निवेशकों और सरकारी संस्थाओं के साथ धोखा किया गया। कई बड़ी संस्थाओं ने भी श्वष्ठ के साथ इस जांच में जानकारी शेयर की। इसमें नेशनल हाउसिंग बैंक, , नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी और बैंक ऑफ बड़ौदा शामिल हैं। ईडी की शुरुआती जांच में कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि साल 2017 से 2019 के बीच यश बैंक से 3000 करोड़ का लोन लिया गया, जिसे बाद में दूसरी कंपनियों में घुमा दिया गया. इतना ही नहीं लोन पास कराने के लिए यश बैंक के अधिकारियों और प्रमोटर्स को रिश्वत देने की बात भी सामने आ रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।